पात्र परिचय –

राजा हरिशचन्द्र	– बाबुलाल देवड़ा
रानी	– विष्णु चंदेल
गुरू वशिष्ठ	– सुधीर सांखला
फर्रासन	– टीकाराम / सोनू बोड़ाना
चौबदार	– राजेन्द्र चावड़ा
भिश्ती शेरमार खाँ	– राजू भाटी
रोहित	– सोनू बोड़ाना
विष्णु	– विष्णु चंदेल
चाण्डाल	– राजू भाटी

मचं पार्श्व

हारमोनियम	– मांगीलाल चौहान
ढोलक	– पप्पू चौहान
प्रकाश संयोजन	– इरशाद खान
रूप सज्जा	– कय्यूम कुरेशी
वस्त्र विन्यास	– नन्दन चावड़ा
मंच प्रबन्धन	– सोनू बोड़ाना
N.E. सहयोग	– मृणाल बोरा, मोइनुल हक़ माणीक राय, माधवेन्द्र पांण्डे कुलपति (नेहू) शिलांग, मेघालय
निर्देशन	**– बाबूलाल देवड़ा**

सम्पर्क - रंगउत्सव, उज्जैन 20/2, शास्त्रीनगर, उज्जैन (म.प्र.)मो. 98274-45665, 86023-05092

आज़ादी का अमृत महोत्सव

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के सहयोग से (EPD.N.E.R.स्कीम के तहत)

(रंगविस्तार योजना के तहत)

दिनांक 09.03.22 से 14.03.2022 तक पूर्वोत्तर राज्यों में

रंग उत्सव, उज्जैन (म.प्र.) की प्रस्तुति

लोक नाट्य माच

राजा हरिश्चन्द्र

लेखक – सिद्धेश्वर सेन

निर्देशन – बाबुलाल देवड़ा

समन्वयक – राजेन्द्र चावड़ा

प्रस्तुति विवरण

दिनांक 09.03.22 माईम एकेडमी - हिदायतपुर, गुवाहाटी

दिनांक 10.03.2022 रंगालय स्टूडियो थियेटर -पुरानीगुडम,नगाव

दिनांक 11.03.2022 फर्कांटिंग कॉलेज आडिटोरियम - फर्कांटिंग

दिनांक 12.03.2022 एमेच्योर थियेटर सोसायटी - गोलाघाट

दिनांक 14.03.2022 ओल्ड गेस्ट हाउस ऑडिटोरियम नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग, मेघालय

सम्पर्क - रंगउत्सव, उज्जैन 20/2, शास्त्रीनगर, उज्जैन (म.प्र.)मो. 98274-45665, 86023-05092

निर्देशक –

11 अक्टूबर 1963 को उज्जैन जिले के ग्राम नयाखे में जन्में बाबुलाल देवड़ा ने 15 साल की उम्र में लोकगीत तेजाजी महाराज की कथा से जुड़ने के बाद लोकनाट्य 'माच' के क्षेत्र में पदार्पण का निश्चय किया। गुरू श्री सिद्देश्वर जी सेन और बड़े भाई रतन महाराज लोकेश सेन से मालवा के माच की प्रेरणा मिली। पहली बार माच में इन्हें कोरस गाने में बिठाया गया था। बाद में गुरू के देहान्त के बाद उन्होंने इसी प्रथा को आगे बढ़ाया। लगभग 40 वर्षो से माच के क्षेत्र में अपनी कार्यशैली से देश भर में प्रसिद्धि पा रहें हैं। और निरंतर इस विधा को जीवित रखने के लिये प्रयासरत है।

राजा हरिशचन्द्र - कथासार

सत्यवादी राजा हरिशचन्द्र यज्ञ के 99वें सफल आयोजन हो चुके है। सौवें यज्ञ के आयोजन के समय ऋषि विश्वामित्र ने सोचा कि यदि यज्ञ पूर्ण हो जाता है तो इन्द्र का आसन हरिशचन्द्र छीन लेंगे। हरिशचन्द्र की सत्यता को परखने हेतु ऋषि विश्वामित्र साधु का वेष धारण करते है और कन्या के विवाह के नाम पर भिक्षा में राजकोष की चाबी और घोड़े की लगाम माँग लेते है। हरिशचन्द्र चूँकि वचन से बंधे रहते है। विश्वामित्र को चाबी व लगाम दान में दे देते है। कुटिलता से विश्वामित्र राजपाट छीन कर उन पर साठ बार सोने का कर्ज भी निकाल देते है। इस कर्ज को उतारने के लिये राजा हरिशचन्द्र अपनी पत्नी तारा और बेटे रोहित को ब्राह्मण के हाथों बेच देते है और स्वयं चण्डाल के हाथों बिक जाते है।

बेटे रोहित की साँप के काटने से मौत हो जाती है। माता तारावती उसके कफन के लिये आधी साड़ी दे देती है। श्मशान में हरिश्चन्द्र चाण्डाल के सेवक है। रोहित के संस्कार हेतु तारा से कर माँ गते है। चाण्डाल भी तारा पर डाकन होने का लांछन लगा देता है। बनारस के राजा चाण्डाल को तारा का सिर धड़ से अलग करने का आदेश देते हैं। चाण्डाल अपने सेवक हरीशचन्द्र को यह आदेश देता है। हरिश्चन्द्र तलवार से वार तारा पर करते है। यह करूण दृश्य देखते हुए भगवान विष्णु प्रकट होते है और हरिश्चन्द्र के सत्यवादी होने की प्रशंसा करते है। हरिशचन्द्र को उनका राज पाट, सत्ता सब वापिस मिल जाता है।

रंग उत्सव उज्जैन संस्था परिचय

सन् 2004 में रंग उत्सव उज्जैन संस्था का गठन किया गया। उसी वर्ष भारतीय कालिदास समारोह में नाटक 'प्रवीर अर्जुन' का मंचन वर्ष 2005 में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की प्रतिष्ठा आयोजन भारत रंग महोत्सव में नाटक 'अभंग गाथा'। वर्ष 2006 में जोधपुर बीकानेर में तीर्थंकर चरित्र भगवान पार्श्वनाथ के जीवन पर आधारित लाईट एण्ड साउण्ड प्रस्तुति। वर्ष 2006 दक्षिण मध्य सांस्कृतिक केन्द्र नागपुर द्वारा बहुभाषीय नाट्य समारोह विशाखापट्टनम में 'अभंग गाथा'। 2007 बाल संगम राष्ट्रीय लोक उत्सव, दिल्ली में 'राजा भर्तृहरि' माच की प्रस्तुति। 2008 बाल रंग मण्डल, भोपाल द्वारा आयोजित बाल नाट्य समारोह में 'चन्द्रशेखर आजाद' की प्रस्तुति। 2009 में मत्खई महोत्सव बलांगिर उड़ीसा में नाटक 'छुपमछुपैया'। 2010 में पश्चित सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर में 'छुपम छुपैया' 'मियां की जूती मियां के सिर' का मंचन। राजा भोज महोत्सव धार में 'मालवकुमार भोज' मंचन। वर्ष 2012 अभिव्यक्ति देवास में नाटक 'एक लड़की पाँच दीवाने'। वर्ष 2013 नाट्य उत्सव धार में 'तारीख गवाह' का मंचन। वर्ष 2014 नाट्य उत्सव धार में 'पृथ्वीराज चौहान' का मंचन। वर्ष 2014 कालिदास संस्कृत अकादेमी की ओर से झाबुआ में मध्यम व्यायोग मंचन, वर्ष 2015 संस्कृत नाट्य समारोह उज्जैन में भास नाट्य का मंचन। वर्ष 2016 मध्यप्रदेश लोककला अकादमी की ओर से 'भास नाट्य' मंचन। वर्ष 2016 धार्मिक पर्यटन की आरे से जबलपुर गवारी घाट पर 'नर्मदा महात्म्य' का मंचन। वर्ष 2016 से निरन्तर धार्मिक पर्यटन व जिला प्रशासन उज्जैन की ओर से रामघाट राणोजी की छत्री पर 'उज्जयिनी गाथा' का मंचन। वर्ष 2017 में भास रचित नाटकों का मंचन कालिदास अकादमी। वर्ष 2018 में संस्कृत बाल नाट्य समारोह में 'रघुवंशम्' नाट्य मंचन। वर्ष 2019 कालिदास अकादमी में 'मालविकाग्निमित्रम्' शिवमंगलसिंह 'सुमन' स्मृति में 'कुमारसंभवम्', गांधी यात्रा नुक्कड़ नाटक, भोज महोत्सव धार जनजातीय संग्रहालय भोपाल, 'गांधी के सपने', उमा सांझी महोत्सव में 'ओड़का'। कार्तिक मेला उज्जैन में 'बेटा बचाओ बेटी पढ़ाओ'। वर्ष 2020 फाग उत्सव चार दिवसीय लोक उत्सव। शिवकुमार चवरे को समर्पित लोक मंगल उत्सव के 4 दिवसीय समारोह में कालिदास अकादमी, उज्जैन के अभिरंग नाट्यग्रह में उन्हीं के द्वारा लिखित नाटक तमसा तट की प्रस्तुति।